वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 119 शुक्रवार 23 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा...

राइजिंग राजस्थान से होगा प्रदेश में नये विकास का उदय, राज्य सरकार निवेशकों के सहयोग के लिए तत्पर

दूरदर्शी विजन के साथ निवेश को धरातल पर लाना ही हमारा लक्ष्य। वॉर रूम के जरिए निवेश सम्मेलन की तैयारियों को बनाएं व्यापक। विदेशी निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट इन्विटेशन पैकेज करें तैयार

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यमियों को भूमि, बिजली एवं पानी की उपलब्धता समयबद्ध एवं नीतिगत रूप से सुनिश्चित करवाई जाएंगी, जिससे निवेश धरातल पर मूर्तरूप ले सके। मुख्यमंत्री शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वाइब्रेंट गुजरात एवं उत्तरप्रदेश इन्वेस्टर्स समिट की तर्ज पर राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए राज्य के अधिकारियों के प्रतिनिधिमण्डल के दौरे के बाद आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। साथ ही, इसके लिए अधिकारियों की विशेष टीम का गठन भी किया जाए। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए वॉर रूम स्थापित किया जाए, जहां उचित संसाधनों के साथ विशेषज्ञ टीम आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कर सकें। उन्होंने आयोजन का सभी माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अब तक प्राप्त हो चुके निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने से संबंधित कार्यवाही को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

निजी क्षेत्र के साथ ही सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेश संभावनाओं को मिले बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेशकों को आमंत्रित किया जाए जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रदेश में खनन, मेडिकल, पेट्रोलियम, फार्मा, एयरपोर्ट, पर्यटन, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, आईटी, शिक्षा, रेलवे एवं रक्षा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को प्रबल बनाया जाये। मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा एवं राज्य में होटल इंडस्ट्रीज के विस्तार की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, आयुक्त रोहित गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक रीको शिवप्रसाद नकाते सहित उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

रोड-शो के माध्यम से निवेशकों को करें आकर्षित

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समिट के लिए देश-विदेश में आयोजित होने वाले रोड-शो के आकर्षक और प्रभावी आयोजन से निवेशकों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विदेशों से आने वाले निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट इन्विटेशन पैकेज तैयार किए जाएं।

घटयात्रा जूलूस के साथ हुआ सिद्धचक्र महामंडल विधान का आगाज

ध्वजारोहण कर किया महोत्सव के पात्रों का चयन, सिद्धों की आराधना का सुनहरा अवसर

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महा मुनिराज की अनुकंपा एवं आचार्यश्री समयसागर जी महामुनीराज परमपूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के निर्देशन व बाल ब्रह्मचारी प्रदीप भैया जी एवं नरेश भैया जी के सानिध्य में पछाड़ी खेड़ा स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्री 1008 सिद्ध चक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांतिमहायज्ञ का भव्य घटयात्रा जूलूस का आयोजन श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के तत्वावधान पार्श्वनाथ ट्रस्ट कमेटी द्वारा किया गया जिसमें माता वहने अपने सिर पर मंगल कलश लेकर जल लेने निकाली घटयात्रा जूलूस पार्श्वनाथ मंदिर से रवाना होकर प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः पार्श्वनाथ मंदिर प्रांगण में आकर ध्वजारोहण समारोह में बदल गया। उक्त आश्य की जानकारी देते हुए जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि उन्तीस तारीख तक चलने वाली महा आराधना में ध्वजारोहण करने का सौभाग्य सुरेश चंद्र राजीव कुमार चन्देरी परिवार को मिला जहां ब्र प्रदीप भ इया नरेश भ इया के मंत्रोच्चार के वीच राजीव कुमार मौसम कुमार संस्कार टेंडर्स द्वारा ध्वजारोहण किया गया तदउपरांत मंडल शुद्धि पडंप शुद्धि के साथ ही पात्रों का चयन किया गया इस दौरान प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भ इया ने कहा कि आज आपको सिद्धो की महा आराधना करने का स्वर्णिम अवसर मिला रहा है कल से यहां बैठने को स्थान नहीं मिलेगा सिद्धो की ऐसी महिमा है कि इनकी आराधना सच्चे मन से करने वालो के रोग शोकं दुःख दारुण सब दुर हो जाते हैं। सिद्धचक्र महा मंडल विधान में मैन सुन्दरी श्री पाल राजा वनने का सौभाग्य सुरेश चंद्र सुनील कुमार संजीव कुमार रिक्कू ओडेर परिवार को मिला इसके साथ ही सौ धर्म इन्द्र सुभाष कुमार राहुल कुमार पिपरई धनकुबेर संजीव कुमार मनीष कुमार महावीर टी महा यज्ञ नायक इंजिनियर अनिल कुमार जैन इंसान इन्द्र विनोद कुमार लोकेश कुमार अंकित सन्तूरा सनत इन्द्र कमलेश कुमार सचिन कुमार एन एस महेंद्र इन्द्र प्रमोद कुमार प्रसुन कुमार मंगलदीप ब्रह्म इन्द्र एस के जैन को वनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिन्हें समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री शैलेन्द्र श्रागर मन्दिर संयोजक मनोज रन्नौद अंकित सन्तूरा जैन समाज उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई कोषाध्यक्ष सुनीलअखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संजीव भारिल्ल मिडिया प्रभारी अरविंद कचनार एडीटर संजय के टी थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई हेमंत टडैया दारा वस्त्र आभूषण राजसी पोषक सहित हार मुकुट से सम्मानित किया गया।

सभी भक्तों को अपना मन बनाकर रखना है...

इस दौरान जैन समाज मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आज से ही सभी भक्तों को अपना मन बनाकर रखना है भगवान जिनेन्द्र देव की इस महा आराधना में घर का एक ना एक व्यक्ति मंडल पर श्री फल भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त करें और अपने अपने घर विधान का गंधोदक अवश्य लेकर जाएं। इस दौरान राजेन्द्र कुमार राहुल कुमार अथाईखेडा बालचंद सुरेश चंद्र सुरेश चंद्र नीरज कुमार बाबूलाल मनीष कुमार संजय चौधरी सहित अन्य भक्तों को पात्र वनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ इस दौरान हेमंत टडैया संजीव रिक्कू ओडेर देवेन्द्र भारिल्ल अनिल जैन विनोद भिरिल्य नरेश जैन महावीर तरावली संजीव महावीर टी सहित अन्य प्रमुख जन उपस्थित थे।

सोलहकारण भावनाओं के चिंतन से तीर्थंकर प्रकृति का बन्ध होता है: मुनि श्री पावनसागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुगार्पुरा में परम पूज्य मुनि श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने षोडश कारण पर्व के अवसर पर प्रवचन करते हुए बताया कि तत्वार्थ सूत्र जी में सोलहकारण भावनाओं के चिंतन से तीर्थंकर प्रकृति का बन्ध होता है। भावना भव नाशिनी है श्रावक को विशुद्धि बढ़ाने के लिए श्रद्धा, ज्ञान, आचरण में विशुद्धि लाना आवश्यक है। परिणामों में निर्मलता आ जाए तो मनुष्य मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो जाता है। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि प्रवचन से पूर्व अनिल कुमार जैन अहमदाबाद ने सहयोगियों के साथ दीप प्रज्वलन किया, मंगलाचरण श्रीमती सुशीला काला ने एवं शास्त्र भेंट श्रीमती मंजू पहाड़िया, श्रीमती मधु छाबड़ा एवं श्रीमती विद्या जैन ने किया। पंडित अजित जैन ने जिनवाणी स्तुति की। षोडश कारण महापर्व के अवसर पर प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे मुनिश्री के प्रवचन तथा रात्रि 8:00 बजे से पंडित अजीत जैन ''आचार्य'' के द्वारा तत्व चर्चा की जा रही है।

शेखावाटी विकास परिषद में भागवत कथा

जीवन में गलतियां होना स्वाभाविकः संत हरिशरण दास

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमद् भागवत कथा समिति के बैनर तले विद्याधर नगर,सेक्टर-1 स्थित शेखावाटी विकास परिषद मे चल रही श्री मद भागवत कथा में व्यासपीठ से कथा सुनाते हुए संत हरिशरण दास जी महाराज ने कहा कि जीवन में गलतियां होना स्वाभाविक है। लेकिन जो एक बार गलतियां सुधार लेता है, उसी का जीवन जीना सार्थक है।जीवन में शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिससे कभी कोई गलती न हुई हो, गलतियां करना इंसान का स्वभाव है और यह अक्सर उन्हीं लोगों से होती है जो अपने जीवन में कुछ नया करने या फिर कहें नया सीखने का प्रयास करते हैं. कई बार कुछ लोग भूलवश गलतियां करते हैं तो कई बार कुछ लोग जानबूझ कर अपने जीवन में बड़ी गलती कर बैठते हैं। गलतियां तब तक इंसान को उतना नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, जब तक वह उसके होने का अहसास करते हुए व्यक्ति उसका पश्चाताप या फिर उसका सुधार करता रहता है, लेकिन वह तब बहुत ज्यादा खतरनाक हो जाती है जब वह अपनी एक गलती को छिपाने के लिए दूसरी कई बड़ी गलतियां करने लगता है।इसलिए पहले की गई गलती से सबक लेते हुए हम सभी को आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि भागवत में सूत्र बताए है वो सब हरि के है,सच्चिदानंद के है क्योंकि सच्चिदानंद ही हरि है ओर श्रीकृष्ण है,इसलिए उनकी भक्ति में रमकर आगे बढ़ना चाहिए। जीवन में जो हरि की भक्ति में रम जाता है,वहीं परम आनंद को प्राप्त करता है। भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से मुक्ति मिलती। जिस स्थान पर कथा होती है वहां भगवान विराजमान होते हैं। भगवन नाम के जाप से सारे विपत्ति नाश हो जाते हैं।इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है की कर्म ही प्रधान है, बिना कर्म कुछ संभव नहीं होता है, जो मनुष्य अच्छा व सत्कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है व बुरे कर्म करने वाले को हमेशा बुरा फल मिलता है। श्रीमद् भागवत कथा समिति के रामानंद मोदी ने बताया कि कथा 30 अगस्त तक रोजाना दोपहर 2 बजे से होगी,साथ ही सुबह 6.15 बजे से कथा स्थल से प्रभातफेरी निकाली जाएगी।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम हैदराबाद।
पद मिले और वैसी योग्यता न रहे, तो धृतराष्ट्र बनते हैं..
और योग्यता हो और पद न मिले, तो कर्ण बनते हैं..!
सव्वथ्य सुन्दरो अप्पा
सभी जीवों के अन्दर भगवान बनने की योग्यता है, क्षमता है,, पर दर दर की ठोकरे खा रहा है - भगवान बनने की योग्यता रखने वाला इन्सान।
तुम बीज हो - वृक्ष बन सकते हो।
बूंद हो - सागर बन सकते हो।
मिट्टी हो -गागर बन सकते हो।

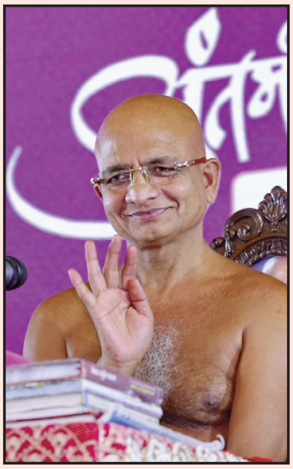

भारत की हर जमीन के नीचे मीठे पानी के श्रोत बह रहे हैं,, बस खोदने की देरी है। हाँ यह सच है कि कहीं 10 फिट पर, तो कहीं 25 फिट पर, तो कहीं 50-100 फिट पर, तो कहीं 500-1000 फिट पर पानी भरा है,, बस धैर्य पूर्वक खोदने की आवश्यकता है। भगवान खोजने से नहीं, बल्कि भीतर खोदने से मिलता है। इसलिए भीतर खोदो - 24 घन्टे में थोड़ा समय निकालो, भीतर खोदने के लिए। शुरू शुरू में थोड़ी परेशानी हो - तो होने देना,, उदासी लगे - तो लगने देना,, उबासी आये - तो आने देना। लेकिन एक घड़ी 24 घन्टे में चुपचाप बैठ जाना। ना कुछ करो, ना कुछ गुनो, ना कुछ बोलो, ना कुछ सुनो, ना कुछ कहना, ना कुछ मांगना, ना मन्त्र पढ़ना, ना कोई जाप करना, ना कोई प्रार्थना, ना चिन्तन, ना चिन्ता, ना कोई विचार। यह सब निरपेक्ष भाव से देखते रहना, जानते रहना, बिना किसी लगाव के सिर्फ देखते, जानते रहना।
जैसे - तेल की बूंद अथाह पानी में तैरती है,, पर सबसे निर्लिप्त है। ना अच्छा, ना बुरा विचार,, यदि विचार आये तो गुजरते रहने देना। आये तो आये, ना आए तो ना आए। ना उत्सुकता आने की, ना जाने का गम। तब आप देखना -- धीरे धीरे एक दिन वह घड़ी आएगी, कि विचार विदा हो गये और एकाकीपन, यानि भीतर का सन्नाटा रह गया। भीतर जब एकाकीपन का सन्नाटा आता है, तो बिजली का धक्का जैसा महसूस होता है और रोम-रोम पुलकित हो जाता है। क्योंकि तुम्हारा सम्बन्ध भीड़ भाड़ से अलग होने लगा है,, झटका तो भारी लगेगा। भीतर खोदने का इससे अच्छा जरिया, और क्या हो सकता है।
-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए धर्म जरूरी है: युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज

एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर मे धर्मसभा मे उमड़ रहा है श्रद्धालुओं का सैलाब

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। संस्कारों का बीजारोपण करने के लिए धर्म जरूरी है। गुरुवार को एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर के आनंद दरबार मे श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने श्रध्दांलुओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि जैन दर्शन उपदेश नहीं किंतु आदर्श पर कार्य करने वाला है। तीर्थंकरों ने अपनी नीगोद से प्रारंभ हुई यात्रा को सिद्धत्व तक पहुंचाया। उनका आदर्श हमारे समक्ष है। गर्भस्थ जीव ऐसा कुछ करता है कि वह देवलोक में देव के रूप में उत्पन्न होता है। वह जो कर सकता है, वह हम भी पा सकते हैं। उसके पास तो कम अवसर है। वह दूसरों पर निर्भर रहता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास अवसर है। हम प्रवचन श्रवण, स्वाध्याय कर सकते हैं जिसकी तीनों कषायें उपशांत है, वह आत्मा श्रमण, ब्राह्मण के मुख से धार्मिक सुवचन श्रवण करे तो उसका कल्याण निश्चित है। उन्होंने कहा कर्मबंध में आने से दुःख का कारण बनता है। हर आत्मा कर्मों से मुक्त होना चाहती है। जिसके लिए बंधनों को तोड़ दिया या वह प्राप्त कर लिया, वह बंधन से मुक्त होने की श्रद्धा उसके पास है। उसके पास समझ है। उसकी समझ का उपयोग मां के माध्यम से प्रवचन श्रवण, धर्म आराधना सुनी, धर्म के वचन सुनने का अवसर मिला। अगर कोई भी माता अपने शिशु को संस्कारित करना चाहती है, वह स्वस्थ रहे। शिशु सुसंस्कृत हो, उसके

लिए धर्म श्रवण जरूरी है। धर्ममय जीवन चर्या होनी आवश्यक है। जिन संस्कारों में वह शिशु को ढालना चाहती है, वैसा ही वातावरण आसपास में होना चाहिए। विकृतियों को आमंत्रित किया तो उसका असर मां के ऊपर भी पड़ेगा और शिशु पर भी पड़ेगा।महासती अणिमाश्री जी ने कहा कि तीन लोक में सार धर्म ही है। धर्म ही भव सागर से उबारने वाला है। हम तो भाग्यशाली हैं कि आगमों के माध्यम से हमें जिनेश्वर भगवान के वचन मिले हुए हैं। जहां जिनवाणी श्रवण का अवसर मिले, उसे गंवाना नहीं है। घटते हुए पुण्यों के बीच हमें धर्म आराधना में लीन होना है। जिनवाणी हमारी आत्मा को निर्मल बनाने वाली है। धर्म आत्मा की अनुभूति कराने वाला है। धर्मसभा मे सुश्राविका श्वेता जांगड़ा ने 25 उपवास,सीमा संजय तातेड़ ने 21 उपवास आदित्य प्रवीण कवाड़ ने 9 उपवास की युवाचार्यश्री से प्रत्याख्यान लिए उन सभी तपस्वीयो का महासंघ की तरफ से बहुमान किया गया। इस दौरान महासंघ के महामंत्री धमीचंद सिघंवी ने बताया मेवाड़ संघ मुम्बई संरक्षक चतरलाल लोढ़ा, अध्यक्ष भैरूलाल लोढ़ा तथा मेवाड़ भवन के अध्यक्ष दिलीप नाबेड़ा , शांति लाल राठौड़, किशनलाल परमार,नेमीचंद धाकड, महावीर तातेड़, लक्ष्मीलाल बड़ालमिया, फूलचंद नाहर, बसंतीलाल चपलोत आदि पदाधिकारियों ने युवाचार्य महेन्द्र ऋषि जी महाराज की वर्ष 2025 के चातुर्मास की विनती की ।

वेद ज्ञान

अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें

आपको सद्बुद्धि के साथ-साथ निश्चयात्मक बुद्धि और पवित्रता चाहिए, तो मां भगवती की आराधना करें। शक्ति पराबा की आराधना करें। वे विद्या हैं, मुक्तिप्रदायिनी भी हैं। वे अविद्या भी हैं, बंधन में डाल देने वाली। वे ही हृदय में सद्भाव का संचरण करती हैं। वही हैं बीजों में बीजत्व। वही हैं शक्ति। वही हैं भक्ति। वही हैं मेधा ऋतंभरा भी। उनकी कृपा दृष्टि पड़ने पर आसुरी भाव दैवी भाव में बदल जाते हैं। बुद्धि की जड़ता छिन जाती है और चैतन्य का प्रसाद मिल जाता है। उनकी कृपा से वेदों को समझने की शक्ति मिल जाती है। वे जब कृपा करती हैं, तो हमारा कौतूहल जिज्ञासा बन जाता है, जो दुर्गति का नाश कर दे और चित्त को सारे व्यसनों से मुक्त कर परम सत्ता की ओर उन्मुख कर दे, वही दुर्गा हैं। इसलिए देवी भागवत अध्यात्म का शास्त्र है। अध्यात्म यानी अध्य-आत्म अर्थात अपनी तरफ लौटना, स्वरूप की तरफ लौटना। शुचिता और पवित्रता की तरफ लौटना। मां से हम प्रार्थना करें कि हमारा मन ऐसा हो जाए, जिसमें परमात्मा स्वयं आकर विराजमान हो जाएं। मां हमें करुणा, पवित्रता तथा प्रसन्नता प्रदान करें। मां के लिए सुर-असुर एक समान हैं। वह पात्रता नहीं देखती हैं। वह तो वत्सला होती हैं। जीवन के सबसे बड़े बंधन हैं-राग-द्वेष। इसलिए अपनी प्रशंसा न स्वयं करें और न ही सुनें। जहां ऐसा हो रहा हो, वहां से पलायन कर जाएं। जहां आपकी प्रशस्ति गाई जा रही हो, वहां से अनुपस्थित हो जाएं। दरअसल, किसी भी कार्य के संपन्न होने में ईश्वरीय शक्ति का योगदान होता है। मनुष्य तो सिर्फ माध्यम बनते हैं। इस बात को हमेशा ध्यान में रखना चाहिए। आपका प्रशस्ति गान करने वाले लोग मिथ्या भी बोल सकते हैं, लेकिन अपने मन के दर्पण में देखकर स्वयं के बारे में जानने की कोशिश करते रहें। हम प्रशंसा के योग्य हैं या नहीं, इसके द्वारा यह जान सकते हैं। सारी दुनिया जय-जयकार करे, तो हमें अपने मन से पूछना चाहिए कि हमारी दशा क्या है। राग ही सारे अनर्थ की जड़ है। सृजन के लिए बुद्धि चाहिए। सृजन को हम ब्रह्मा या मां सरस्वती की कृपा मानते हैं। यदि आप वास्तव में मां सरस्वती की कृपा चाहते हैं, तो अपने प्रयासों से देश भर में विद्यालयों की स्थापना करें, इस संकल्प के साथ कि देश का कोई भी बच्चा निरक्षर नहीं रह पाए।

संपादकीय

जुल्म के खिलाफ खामोशी खतरनाक है...

नौ अगस्त को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक जूनियर डॉक्टर के साथ जो नृशंस अपराध हुआ और जिस जघन्य अंदाज से बलात्कार के बाद उसकी हत्या की गई, वह किसी भी सभ्य समाज को झकझोर देने के लिए पर्याप्त था। अपराध रात के अंधेरे में किसी वक्त तीसरी मंजिल स्थित सेमिनार हॉल में हुआ और बाद में किए गए पोस्टमार्टम की अपुष्ट रिपोर्ट के अनुसार, उसके साथ कई लोगों द्वारा बलात्कार किया

गया था। इस दौरान हत्यारे ने उसके शरीर के साथ काफी नोच-खसोट की थी । शरीर पर पडे.ये घाव नंगी आंखों से ही किसी को भी दिख सकते थे, पर नहीं दिखे, तो कॉलेज के प्रशासकों को, जिन्होंने मृत डॉक्टर के परिवार को सुबह फोन करके यह बताया था कि उसने कॉलेज परिसर में आत्महत्या कर ली है। जब परिवारी जन भागते हुए परिसर में पहुंचे, तो उन्हें घंटों मृत शरीर को नहीं देखने दिया गया। अस्त-व्यस्त कपड़ों में क्षत-विक्षत और जगह-जगह से खून बह रहे उस शरीर को देखकर उनके मन में रत्ती भर भी शक नहीं रहा कि उनकी बेटी ने आत्महत्या नहीं की है, बल्कि उसकी हत्या हुई है और वह भी क्रूरतम तरीकों से। कॉलेज प्रशासकों ने तब भी कोशिश की कि परिजन मान लें कि यह आत्महत्या का मामला है, हत्या का नहीं। हत्या की खबर फैलते ही कोलकाता और पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से होता हुआ आक्रोश पूरे देश में फैल गया है। इस बार यह सिर्फ डॉक्टरों की सुरक्षा का मसला नहीं रह गया है, इसके बहाने चिकित्सा शिक्षा से जुड़े अन्य मुद्दों के साथ-साथ पूरे तंत्र की सड़न भी विमर्श के केंद्र में आ गई है। जिस तरह से कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को घटना पर भड़के आक्रोश के बाद पहले कॉलेज से हटाकर प्रतीक्षा सूची में रखा गया और फिर कुछ ही घंटों में उन्हें शहर के एक दूसरे मेडिकल कॉलेज का प्रधान बना दिया गया, उससे शासन के गलियारों में उसकी पहुंच स्पष्ट हो गई। हाईकोर्ट के आदेश से उनको पद से हटाया गया। जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा काम यह हुआ कि घटना के कुछ ही घंटे बाद कॉलेज भवन पर एक अराजक भीड़ द्वारा हमला हुआ और तोड़फोड़ की गई। उनका मुख्य निशाना वह सेमिनार रूम था, जहां वारदात हुई थी और स्पष्ट था कि दंगाई घटनास्थल पर सुबूतों के साथ छेड़छाड़ करना चाहते थे। जिन लोगों को सीसीटीवी कैमरों के फुटेज के आधार पर गिरफ्तार किया गया था, वे मुख्य रूप से सत्तारूढ़ दल के सदस्य निकले। इस घटना के पहले भी जब संदीप घोष को प्रधानाचार्य पद से हटाया गया था, तब इसी तरह से उन्होंने गुंडों की मदद से अपने उत्तराधिकारी को पदभार ग्रहण नहीं करने दिया था और अपना तबादला निरस्त कराकर वापस कुर्सी पर आ बैठे थे। क्या ये उदाहरण काफी नहीं हैं भ्रष्टाचार, सत्ता और अपराध के बीच के गठजोड़ को समझने के लिए? भारतीय राजनीति और समाज तंत्र में सड़ांध पैदा करने वाले इस गठबंधन के खिलाफ पूरे देश में आक्रोश उबाल पर है, पर क्या इससे कोई स्थायी या बुनियादी फर्क पड़ेगा? **राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जागे समाज

महिलाओं के शोषण की घटनाएं जितनी दुखद हैं, उतनी ही शर्मनाक भी। कोलकाता में एक चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला इतना गंभीर हो उठा है कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। यह बहुत महिलाओं के शोषण की घटनाएं जितनी दुखद हैं, उतनी ही शर्मनाक भी। कोलकाता में एक चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला इतना गंभीर हो उठा है कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। यह बहुत महिलाओं के शोषण की घटनाएं जितनी दुखद हैं, उतनी ही शर्मनाक भी। कोलकाता में एक चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या का मामला इतना गंभीर हो उठा है कि सर्वोच्च न्यायालय को स्वतः संज्ञान लेना पड़ा। यह बहुत अफसोसजनक है कि महिला शोषण के मामले में भी नेता राजनीति की गुंजाइश खोज लेते हैं। चिकित्सकों का प्रदर्शन लगातार जारी है और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद ने तो प्रदर्शनकारी चिकित्सकों को एक तरह से धमकाया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल की सरकार है और वहां चिकित्सकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए, पर वह क्या कर रही है? ऐसी स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का हस्तक्षेप जरूरी और स्वागतयोग्य है। जो लोग अभी भी लीपापोती में जुटे हैं, उन्हें अपनी गैर-कानूनी हरकतों से बाज आना चाहिए। जिस तरह का व्यवहार कुछ अधिकारी या नेता अभी दिखा रहे हैं, ऐसे व्यवहारों की वजह से ही देश में प्रति घंटे चार से ज्यादा महिलाओं का यौन शोषण होता है। शोषण के पक्ष में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खड़े होने वाले नेता अपराधियों से भी बड़े अपराधी हैं। महिला शोषण के ऐसे मामलों से देश का कोई राज्य अछूता नहीं है। बच्ची से लेकर बुजुर्ग महिला तक और घर से लेकर बस स्टैंड तक, कोई ऐसी जगह नहीं है, जहां महिलाएं चैन की सांस ले सकें। आप मामले गिनते चले जाइए। उत्तराखंड पुलिस ने रविवार को देहरादून में अंतरराज्यीय बस टर्मिनल पर सरकारी बस में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया। यह किशोरी लाचार होकर घर से भागी थी, उसके साथ संवेदनापूर्ण व्यवहार होना चाहिए था, पर वह उन दरिंदों के चंगुल में फंस गई। इसी तरह, बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में 14 वर्षीय दलित लड़की को अपराधियों ने घर से ही उठा लिया और बाद में परिजन को उसकी लाश मिली। उधर, तमिलनाडु के कृष्णागिरी में फर्जी एनसीसी कैंप में 13 लड़कियों का यौन शोषण हुआ, जिसमें स्कूल के प्रिंसिपल समेत 11 आरोपी शामिल थे। जोधपुर में एक अपराधी तीन साल की मासूम को ही उठा ले गया। अपराध के ऐसे मामलों को आप गिनने लगिए, तो मन गहरी घृणा, क्षोभ और रोष से भर जाता है। ये कैसे अपराधी हैं, जिन्हें न कानून की चिंता है, न धर्म की और न लोकलाज की? असंख्य लोगों की आंखों का पानी ऐसे मर गया है कि छोटी-छोटी अबोध बच्चियों पर शामत आई हुई है। हमें पूरी गंभीरता से विचार करना होगा। महिला संबंधी कानून कड़े कर दिए गए हैं, पर कड़े कानूनों के बावजूद शोषण का अंत क्यों नहीं हो रहा है? एक तथ्य यह भी है कि दुष्कर्म के 95 प्रतिशत मामलों में दोषी कोई परिचित ही होता है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, पर महिला सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी समाज की होती है। यहां गांधी जी का कथन याद आता है, उन्होंने इशारा किया था कि केवल सरकार के भरोसे मत रहना। मतलब, हमें नए सिरे से विचार करना होगा। कहीं न कहीं हमने घरों और स्कूलों में सिखाया है कि अपने काम से काम रखो।

जैन सोशयल ग्रुप स्पार्कल वंडर प्रिमीयर लीग-10 के पोस्टर का हुआ विमोचन

23 से 25 अगस्त को खेले जायेंगे मेच

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्पार्कल प्रिमीयर लीग-10 के पोस्टर का विमोचन आज प्रमुख समाजसेवी विवेक काला ने किया इस अवसर पर स्पार्कल जैन सोश्यल ग्रुप के अध्यक्ष अतुल रांका, पुष्पेश कांकरिया, आशीष शाह एवं विनोद छाबडा (मोनू) उपस्थित रहे। **कल से होगा भव्य रंगारंग आगाजः** जैन सोशल ग्रुप के तत्वावधान में होने वाले इस इवेन्ट के प्रोजेक्ट डायेरेक्टर विनोद रवीना जैन और पुष्पेश सुरभि कांकरिया ने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 21 टीमें भाग ले रही हैं जिसमें पुरुष वर्ग में आकाश डारड़ा, आनन्द चौपड़ा अनिरूद्ध काला, अतुल चोरड़िया, देवांग शाह, धीरज बोरड, द्वियांशु बर्डिया, गोरव जैन, गौतम ओसवाल, मोहित बैद, राहुल रांका, रिषभ गोदिका, रोबिन कोठारी, रोहित जैन और सुमित ढड्ढा की टीमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। महिला वर्ग में डिम्पल जैन, हर्षिता सचेती, आशना धांधिया, श्वेता नाहर, गजल जैन, और मानवी मेहता की टीमें टूर्नामेंट में भाग लेंगी। कार्यक्रम के डायरेक्टर अर्पित नेहा एवं नितिन वंदना जैन ने बताया कि सुबह 10 बजे से 4 बजे तक 21 टीमों के लिये 252 पुरुष और महिला खिलाड़ियों द्वारा 8-8 ओवर का मैच खेला जाएगा। प्रतियोगिता के मुकाबले अजमेर रोड स्थित एक रिसोर्ट -जोनबाय द पैलेस- पर खेले जायेंगे। प्रतियोगिता में होने वाले मेचों की ऑनलाई स्कोरिंग के साथ-साथ इन मैचों का यूट्यूब पर लाईव प्रसारण भी किया जायेगा।

कार्य की सफलता पुरुषार्थ एवं भाग्य के एक साथ होने पर निर्भर करती है: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु

मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर शुक्रवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन किया गया। जिसमें बताया गया कि हम सब स्वयं को कर्ता मानकर अहंकार को पृष्ठ करते हैं। हर अच्छे काम का क्रेडिट स्वयं लेते हैं और यदि काम नही होता है तो उसके लिए अज्ञानी लोग भगवान को जिम्मेदार ठहराते है।जबकि किसी भी कार्य को सफल होने में अंतरग एवं बहिरंग कारणों का एक साथ होना जरूरी है। पुरुषार्थ एवं भाग्य इन दोनों के एक साथ होने पर ही किसी भी कार्य की सफलता निर्भर करती है। हमें कर्ता भाव नहीं लाना चाहिए। सभी कार्य कर्म के अधीन है। भूतकाल के चक्कर में वर्तमान को खराब नहीं करना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि हमारे सामने जैसे पदार्थ होते हैं वैसे ही हमारे भाव हो जाते हैं। यदि वीतराग मुद्रा देखोगे तो संयम भाव आयेगें और यदि सरागी देखोगे तो राग के भाव आयेगें। जैसा सामने कारण होता है, वैसे ही हमारे भाव हो जाते हैं। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढ़ाया गया। तत्पश्चात अर्हम चातुर्मास समिति 2024 के संरक्षक समाजश्रेष्ठी नन्द किशोर - शांति देवी, प्रमोद - नीना, सुनील - नीता, अनुपमा-युवराज पहाड़िया परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि इससे पूर्व पहाड़िया परिवार ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों को समिति की ओर से तेजकरण चौधरी, अरुण पाटोदी, विजय झांझरी ने स्मृति चिन्ह भेट किया। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शुक्रवार , 23 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने किया रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप के पोस्टर का विमोचन

7 और 8 सितंबर को होगी प्रतियोगिता, 31 अगस्त तक कर सकते हैं आवेदन

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर स्केट एसोसिएशन के तत्वावधान में 7 और 8 सितंबर को जयपुर जिला रोलर स्केटिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया जाएगा। स्केट एसोसिएशन के सचिव सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रथम चरण का आयोजन 007 स्केटिंग क्लब जयपुर पर होगा जबकि द्वितीय चरण की प्रतियोगिता जे.पी. स्केटिंग क्लब पर आयोजित की जाएगी। इससे पहले प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन बुधवार को केबिनेट खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड और पार्षद कुमकुम शक्तावत द्वारा किया गया। राठौड़ ने बताया कि जयपुर स्केट एसोसिएशन की प्रतियोगिता से ही राज्य, नेशनल व एशियन खेल में भाग लिया जा सकता है। ये रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले आवेदक 31 अगस्त तक आवेदन कर सकते हैं। इस प्रतियोगिता में जयपुर शहर के विभिन्न स्कूलों से 400 स्केटर्स भागे ले रहे हैं।

सोलह कारण महामण्ड़ल विधान झण्डारोहण के साथ हुआ प्रारंभ

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में 16 दिवसीय सोलाह करण महा मण्डल विधान झण्डारोहण के साथ प्रारंभ हुआ। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज जी का 37वां चातुर्मास बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ चल रहा है। इस अवसर पर श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर से विधि विधान से गन्ध कूटि में विराजमान करने के लिए श्री चन्दाप्रभु भगवान, श्री शांतिनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ नाथ भगवान, श्री महावीर भगवान की प्रतिमा को बेण्ड बाजे के साथ श्रावक गण लेकर चले व विधि विधान से मांगलिक भवन शहर मौहल्ला में गन्ध कुटि में विराजमान किया गया। आचार्य ससंध के सानिध्य में पिड़ावा में पहली बार पं. पारस जैन इन्दौर के कूशल नेतृत्व में श्री आर्जव सागर नवीन मांगलिक भवन में तीर्थंकर प्रकृति का बंध करने वाला महापर्व श्री सोलह कारण महामण्ड़ल विधान की महाआराधना की संगीत मय पूजन गुरूवार से प्रारंभ हुई। जिसमें प्रत्येक दिन 16 दिन तक सौधर्म इन्द्रो के द्वारा शान्तिधारा व संगीत मय पूजन होगी और पूजन के पश्चात आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज के प्रवचन का पूण्य लाभ श्रावक श्राविकाओं को मिलता रहेगा। रात्रि में प्रतिदिन आरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। आचार्य श्री आर्जव सागर महाराज ने बताया कि संसार में मनुष्यों के लिए कोई भी कार्य असाध्य नहीं है, सो भला यह कितना सा दुःख है, जिन धर्म के सेवन से तो अनादि काल से लगे हुए जन्म मरणादि दुख से भी छूट कर सच्चे मोक्ष सुख की प्राप्ति होती है और दुखों से छुटने की तो बात ही क्या वे तो सहज ही में छूट जाते हैं, इसलिए इन 16 भावनाओ को यदि केवली-श्रुतकेवली के पादमूल के निकट अन्तःकरण से चिन्तवन की जाये तथा तदनुसार प्रवर्तन किया जाये तो इनका फल तीर्थंकर नाम कर्म के आश्रव का करण है। महाराज ने व्रत की विधि बताई कि भादो, माघऔर चैत्र वदी एकम से कुंवार, फाल्गन और बेशाख वदी एकम तक 1 वर्ष में तीन बार पूरे एक-एक मास तक यह व्रत करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन कवि मनोज निडर द्वारा किया गया। इसमें आर्जव सागर सभागार का उद्घाटन मनोज निडर परिवार के द्वारा किया गया वो मंडल विधान काव्य का विमोचन कोमल चन्द जैन परिवार की और से किया गया।

आर के पुरम त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में होगी 13 दीक्षार्थी दीदीयों की गोद भराई

कोटा. शाबाश इंडिया। आर के पुरम स्थित श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगंबर जैन त्रिकाल चौबीसी जैन मंदिर में परम पूज्य भावलिंगी संत श्रमणाचार्य 108 श्री विमर्शसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में दीक्षा लेने वाली विशु दीदी सहित 13 दीक्षार्थी दीदीयों की गौद भराई का कार्यक्रम भव्यता के साथ दिनांक 23 अगस्त को प्रातः काल 8 बजे किया जाएगा।मंदिर समिति के अध्यक्ष अंकित जैन महामंत्री अनुज गोधा कोषाध्यक्ष ज्ञान चंद जैन ने बताया कि जीवन है पानी की बूँद महाकाव्य के जनक, जिनागम पंथ प्रवर्तक, आदर्श महाकवि, भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज के द्वारा देश की राजधानी दिल्ली में दिनांक 15 नवंबर 24 को दीक्षाये प्रदान की जायेगी। मंदिर समिति के प्रचार प्रसार मंत्री पारस जैन पार्श्वमणि ने बताया कि इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष विमल जैन नांता महामंत्री विनोद जैन टोरडी, जे के जैन, प्रकाश बज, रूप चंद जैन, महावीर जैन प्रकाश जैन, लोकेश जैन,पदम जैन, रोहित जैन,अशोक जैन,प्रेमचंद सोगानी, विमल जैन, दीपक जैन आदि सहित सैकडो श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी।

कामां के युवा कवि डी के जैन मित्तल (टीवी फेम) 25 को हाथरस कवि सम्मेलन में करेंगे काव्यपाठ

कामां. शाबाश इंडिया। कस्बे के ही चर्चित युवा कवि को हाथरस में आगामी 25 अगस्त को होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में काव्यपाठ के लिए आमंत्रित किया गया है, जो कि कामां (राजस्थान) का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे के रचनाकार प्रो. कवि ओमपाल सिंह निडर (पूर्व सांसद), हरियाणा से कवि मनोज मनमौजी सहित देश के अलग हिस्सों से अन्य कवि भी आमंत्रित किए गए हैं। इस कवि सम्मेलन के संयोजक, संचालक वरिष्ठ आशुकवि अनिल बोहरे हैं।

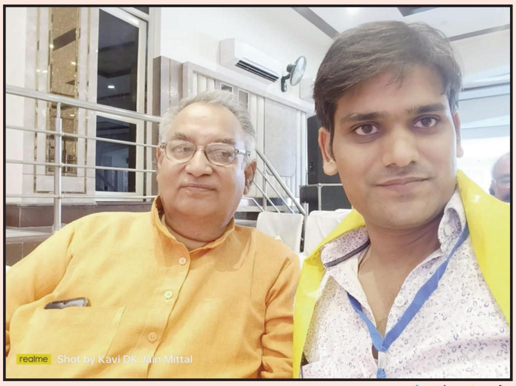

चेतन तीर्थ यात्रा पोस्टर का विमोचन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा आयोजित चेतन तीर्थ यात्रा पोस्टर का विमोचन गुरुवार को गायत्री नगर जैन मंदिर मे किया गया ' चेतन तीर्थ यात्रा पोस्टर का विमोचन गायत्री नगर जैन मंदिर के अध्यक्ष कैलाश चंद छाबड़ा, अरुण शाह ,उदयभान जैन,सतीश कासलीवाल, राकेश पाटोदी व समाज के वरिष्ठजन आदि के सान्निध्य मे किया गया। अखिल भारत वर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग के अध्यक्ष अशोक बिंदायका (जोला वाले) एवम पारस जैन बोहरा (दूदू वाले) ने बताया कि परिषद की ओर से एक सितंबर 2024 रविवार को को प्रातः 6.30 बजे चेतन तीर्थ यात्रा (मुनि आर्यिका दर्शन यात्रा) का आयोजन किया जायेगा।

लायंस क्लब सेंट्रल की सदभावना यात्रा

क्लब के सदस्यों ने की स्टैचू ऑफ यूनिटी की दो दिवसीय यात्रा

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। मित्रता और भ्रातृत्व की भावना के साथ लायन्स क्लब कोटा सेन्ट्रल के बीस सदस्यों ने स्टेचू ऑफ यूनिटी की दो दिवसीय यात्रा की । अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने बताया कि ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत को देखने समझने आपस में प्रेम भाव बढ़ाने के उद्देश्य से पीडीजी विशाल माहेश्वरी, जोन चेयरमैन के के राठी, जीएमटी कॉर्डिनेटर श्यामलाल गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन महिला सशक्तिकरण आशा माहेश्वरी के मार्गदर्शन व सानिध्य में यह दो दिवसीय यात्रा रखी गई जिसमे दस कपल साथ में थे। केवड़िया में सरदार वल्लभ भाई पटेल का वर्ल्ड फेमस स्टेचू, लाइट एंड साउंड शो, एकता वन, ग्लो गार्डन, फ्लावर वैली, कैक्टस गार्डन, बटरफ्लाई गार्डन व पोईचे के स्वामीनारायण नीलकंठ मंदिर के दर्शन किए और सभी जगहों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक, पर्यावरण संरक्षण सबंधित जानकारी ली।

चेतन तीर्थ यात्रा का 25 अगस्त को आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन युवा परिषद परिवार की ओर से दिनांक 25 अगस्त रविवार को जयपुर शहर मे हो रहे जैन चतुमासी के दर्शनों के लिए एक दिवसीय बस यात्रा का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र बोहरा लाखना ने बताया कि यह यात्रा श्री दिगंबर जैन पारसनाथ मंदिर थडी मार्केट मानसरोवर में विराजमान श्री 108 उपाध्याय वृषभानंद जी मुनिराज ससंघ के आशीर्वचन से शुरू होगी । तत्पश्चात यात्रा मीरा मार्ग जैन मंदिर, वरुण पथ जैन मंदिर, बरकत नगर जैन मंदिर होती हुई बिलवा जैन मंदिर पहुंचेगी जहां पर चेतन तीर्थ यात्रा के साथ सभी भक्तों को भव्य जेनेश्वरी दीक्षा देखने का अवसर प्राप्त होगा। प्रदेश महामंत्री रवि रावंका ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए मुख्य संयोजक विनोद जैन लदाना, अनंत जैन एवं आलोक पाटनी को बनाया गया। प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश काला ने अवगत कराया की जयपुर शहर के प्रमुख 20 मंदिरों को इस यात्रा मे जोड़ा गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष नेमी चंद छाबड़ा एवं विजय जैन खट्वाडा ने बताया की प्रत्येक मंदिर से दो-दो सदस्यों को इस कार्यक्रम के लिए संयोजक बनाया गया। सलाहकार प्रणव लुहाडिया ने बताया की यात्रा की शुरूआत वीर सेवक मंडल के अध्यक्ष समाज श्रेष्ठि महेश काला प्रातः 7 बजे जैन पताका लहराकर रवाना करेंगे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा के आतिथ्य में वृक्षारोपण प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'दी एज्यूकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज (सोसाइटी) जयपुर' के तत्वावधान में विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम माला में एम पी एस संस्कृति अजमेर रोड में वृक्षारोपण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस शुभावसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा रही, विद्यालय कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को वृक्षारोपण करने व उनके संरक्षण की जिम्मेदारियों से अवगत करवाते हुए इस प्रकृति की हमारे जीवन में उपयोगिता पर अपने आशीर्वचन कहें। इसी अवसर पर एमपीएस संस्कृति के नन्हे-मुन्ने बाल-गोपालों ने विभिन्न पौधों की प्रदर्शनी लगाकर फल-फूलों, साग-सब्जियों, प्राकृतिक उत्पादों के बारे में बताया। बालक-बालिकाओं ने सांस्कृतिक परेड प्रस्तुत करते हुए राजस्थानी व पंजाबी संस्कृति की अनुपम छटा के दर्शन करवाते हुए घूमर-कालबेलिया, गिद्धा, गणगौर नृत्य तथा पंच-प्यारों की झाँकी प्रस्तुत की और पेड़-पौधे ही जीवन है का संदेश दिया। प्रिय अभिभावकजनों ने कार्यक्रम में पधार कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा ई सी एम एस गो ग्रीन कैंपेन की इस पहल पर उन्हें भी पौधे उपहार स्वरूप दिए गए। विद्यालय मानद् सचिव श्याम सुंदर तोतला, भवन सचिव अरविंद मांधनिया, प्राचार्या श्रीमती दलजीत कौर आदि महानुभावों ने आगंतुक अतिथि का स्वागत उद्बोधन करते हुए विद्यार्थियों को ईश्वर के अनुपम उपहार वृक्षों के पोषण व संरक्षण का सजग संदेश दिया। इसी शुभावसर पर विद्यालय में 'अलंकरण समारोह' कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर महानुभावों के द्वारा सभागार में शिक्षार्थियों का अभिनंदन करते हुए विद्यालय के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का व कर्तव्यों के निर्वाहन हेतु प्रत्येक सदन, सांस्कृतिक, खेल आदि पदों के कार्यभार की जिम्मेदारी के लिए कप्तान, उपकप्तान के अलंकरणों से विभूषित किया गया। हेड गर्ल पद पर खुशी जैन व हेड बॉय के लिए वीरेन्द्र गुर्जर को पदासीन करते हुई संपूर्ण विद्यालय की सह-शैक्षणिक गतिविधियों की देखरेख व जीवन में पूर्ण निष्ठा के साथ कर्तव्यपरायणता के बोध हेतु उपर्युक्त पदभार की जिम्मेदारी सौंपी गईं। गौरतलब रहे डॉ. पूनम अंकुर छाबड़ा शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्षा हैं एवम शहीद पूर्व विधायक गुरुशरण छाबड़ा जी की पुत्री हैं जो कि पिछले एक दशक से भी ज्यादा से पूरे देश भर में गैरराजनीतिक तरीके से शराबबंदी आंदोलन चला रही हैं।

ज्ञानोदय महिला मंडल के चुनाव में रीना ठोलिया बनी अध्यक्ष

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। ज्ञानोदय महिला मण्डल के चुनाव बुधवार को श्री दिगंबर जैन पंचायत नसिया में संपन्न हुए जिसमें रीना ठोलिया को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया इसके साथ ही उपाध्यक्ष पद पर सरोज गोधा, सचिव पद पर पिंकी कासलीवाल, सहमंत्री पर डिम्पल कासलीवाल, कोषाध्यक्ष पद पर कोपल फागीवाला सास्कृतिक मंत्री निशा अजमेरा को चुना गया। नव निर्वाचित कार्यकारिणी को मंडल की अन्य सदस्यों ने माला पहनाकर बहुमान किया। श्री ज्ञानोदय महिला मण्डल की नव गठित नई कार्यकारिणी को श्री दिगम्बर जैन पंचायत की तरफ से अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने बधाई प्रेषित की।

कन्या महाविद्यालय में ''सोशल मीडिया तथा क्राईम'' विषय पर व्याख्यान का किया आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। राजकीय कन्या महाविद्यालय अजमेर मे गुरुवार को आइक्यूएसी, महिला प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 'सोशल मीडिया तथा साइबर क्राइम 'विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता पुलिस अधीक्षक अजमेर देवेंद्र कुमार विश्नोई रहे। विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश जैन की पहल पर महाविद्यालय में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। देवेंद्र कुमार विश्नोई पुलिस अधीक्षक अजमेर ने अपने उद्बोधन के द्वारा वर्तमान समय में बढ़ रहे सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव तथा साइबर क्राइम के बारे में छात्राओं को अवगत कराया। आपने बताया कि वर्तमान समय में समाज में विद्यार्थी किस प्रकार अधिक भ्रमित हो रहे हैं और वह समय- प्रबंधन ना करके समय का दुरुपयोग कर रहे हैं ,जो कि ना केवल उनके वर्तमान बल्कि भविष्य के लिए भी घातक है। आपने अपने जीवन के निजी अनुभवों के माध्यम से एवं उदाहरण के द्वारा समझाया कि किस प्रकार एक सभ्य समाज में विद्यार्थियों का योगदान सुनिश्चित किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर सीमा माथुर ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सदुपयोग करने की बात कही और साथ ही वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर क्राइम के बारे में अवगत कराया कि किस प्रकार हम समय रहते इन अपराधों से अपना बचाव कर सकते हैं। कार्यक्रम में प्रोफेसर अवनी शर्मा , मेजर मीनाक्षी जैन, श्रीमती जया अग्रवाल ,श्रीमती ममता सिंह एवं अन्य संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती जया अग्रवाल ने किया एवं अंत में डॉ विमलेश शर्मा ने धन्यवाद दिया।

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में "राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस" का हुआ आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. आर. सी लोढ़ा के निर्देशन में विज्ञान विभाग द्वारा ''राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस'' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान व्याख्याता कोमल गुप्ता ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि से छात्राओं को अवगत कराया तथा यह बताया कि 23 अगस्त 2024 को देश अपने राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस के अवसर पर ''चाँद को छुते हुए जीवन को छूना: भारत की अन्तरिक्ष गाथा'' थीम के साथ मना रहा है। इसी क्रम में व्याख्याता चन्द्रकान्ता चैहान ने विज्ञान एवं तकनिकी के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया । अकादमिक प्रभारी डॉ. नीलम लोढ़ा ने छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए अन्तरिक्ष मे भारत की उपलब्धियों व इससे होने वाले लाभ के बारे में छात्राओं को जानकारी दी। इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने भाषण व क्विज में अपनी सहभागिता निभाई । व्याख्याता श्रीमती राज कुमारी कुमावत मिसाइल मेन डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा किये गये अन्तरिक्ष कार्यक्रमों के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका से छात्राओं को अवगत कराया । छात्राओं को प्रेरित करते हुए व्याख्याता पंकज शर्मा ने बताया कि हमें अन्तरिक्ष अन्वेक्षण के महत्त्व के बारे मे जागरूकता बढ़ानी चाहिए और राष्ट्रीय गर्व को बढावा देना चाहिए कार्यक्रम के अन्त में व्याख्याता सुनीता कुमारी व सुरेन्द्र सिंह चोहान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया ।

केन्द्रीय वित्त मंत्री की मौजूदगी में एमएसएमई कलस्टर से चर्चा की मुहिम का उदयपुर से हुआ आगाज

विकसित भारत-2047 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की महती भूमिका, केन्द्रीय वित्त मंत्री बेरोजगारी दूर करने में एमएसएमई क्षेत्र का बड़ा योगदान। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री देश भर में एमएसएमई क्लस्टर से होंगे संवाद, फीडबैक के आधार पर किए जाएंगे जरूरी प्रावधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

केंद्रीय वित्त एवं सहकारिता मामलात मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने कहा कि विकसित भारत- 2047 के संकल्प को पूरा करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की महती भूमिका है। इसलिए बजट में इन्हें विशेष प्राथमिकता दी गई है। वित्त मंत्री गुरुवार शाम को उदयपुर के सुखेर औद्योगिक क्षेत्र स्थित मार्बल भवन में एमएसएमई मार्बल कलस्टर इकाइयों से चर्चा कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री जीतनराम मांझी ने की। वित्त सचिव श्री एम. नागराजू, सिडबी चेयरमैन श्री मनोज मित्तल, सांसद डॉ मन्नालाल रावत भी बतौर अतिथि मंचासीन रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री श्रीमती सीतारमन ने कहा कि भारत की संस्कृति और समृद्धि में मेवाड़ का योगदान शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। बजट घोषणाओं को लागू करने में ग्राउंड जीरो पर हितधारकों से संवाद आवश्यक है और इसका विशेष महत्व है। बजट जनता के लिए होता है, बजट जनता के बीच आने के बाद फीडबैक के आधार पर हम संशोधन करते हैं। एमएसएमई की भागीदारी वर्ष 2047 के विजन को साकार करने में प्रमुख है। इसलिए बजट में इसे विशेषज्ञ प्राथमिकता दी गई है। इसी कड़ी में अब देश भर के 250 एमएसएमई कलस्टर से संवाद कार्यक्रम किए जाने हैं, जिसका आगाज गुरूवार को उदयपुर में मार्बल कलस्टर से हो रहा है। उन्होंने कहा कि मेवाड़ क्षेत्र की एमएसएमई इंडस्ट्री की आवश्यकताओं को समझने हेतु हितधारकों से चर्चा करना आवश्यक है। श्रीमती सीतारमन ने

बताया कि स्मॉल इंडस्ट्रीज डवलपमेंट बैंक ऑफ इन्डिया (सिडबी) द्वारा अब सीधे ही सूक्ष्म उद्योगों को ऋण मुहैया करवाया जा रहा है जो कि बड़ी राहत की बात है। इससे सूक्ष्म उद्योगों को सुविधाजनक ऋण आसानी से उपलब्ध हो जाएगा।

भारत जल्द बनेगा विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था: मांझी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के केबिनेट मंत्री श्री जीतन राम मांझी ने कहा कि देशभर में ऐसे संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से बेरोजगारी दूर करने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। बेरोजगारी दूर करने में एमएसएमई क्षेत्र का बड़ा योगदान है। सूक्ष्म और लघु उद्योग भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जिसका योगदान देश की अर्थव्यवस्था में 30 फीसदी है और देश के 20 करोड़ लोगों को रोजगार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गर्व का विषय है कि देश आज प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। शीघ्र ही देश विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं जो कि एक सुखद अहसास है। जहां वैश्विक आर्थिक प्रगति की दर 3.2 फीसदी है, वहीं भारत आर्थिक प्रगति के मामले में 7 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 में 10.3 लाख करोड़ रुपए बैंकों को एमएसएमई मंत्रालय द्वारा क्रेडिट के रूप में दिया गया जबकि वर्ष 2023 में यह राशि बढ़कर 22.6 लाख करोड़ रुपए हो गई। इस वर्ष भी भारत सरकार के बजट में एमएसएमई को विशेष बल दिया गया है । मुद्रा लोन की राशि 10 लाख से बढ़कर 20 लाख कर दी गई है। श्री माँझी ने कहा कि सूक्ष्म उद्योगों पर विशेष ध्यान देने से ही हम देश को विकसित देशों की श्रेणी में ले जा सकते है। वित्त सचिव श्री एम नागराजू ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र का एम्प्लॉयमेंट और जीडीपी में बड़ा योगदान है। केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने हेतु संकल्पबद्ध है और इस लक्ष्य की प्राप्ति में एमएसएमई की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन केंद्र सरकार की सर्वाच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम में मार्बल कलस्टर एमएसएमई इकाईयों से जुड़े व्यवसायियों श्री पंकज गांगावत, श्री राकेश भाणावत, श्री उमेश नागौरी, श्री वीरमदेव कृष्णावत, श्री नीरज शर्मा आदि ने मार्बल उद्योग, कर प्रणाली आदि से जुड़ी समस्याएं व सवाल रखे। वित्त विभाग एवं एमएसएमई विभाग के अधिकारियों ने उन्हें कलमबद्ध किया।

एमओयू दस्तावेजों का आदान-प्रदान